

खबर संक्षेप

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित

मण्डला। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार की तैयारी के लिए नई दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों से कोचिंग दिलाने हेतु वर्ष 2026-27 के लिए संशोधित विज्ञप्ति जारी की गई है। योजना के अंतर्गत निर्धारित 100 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। विद्यार्थियों का चयन मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित स्क्रीनिंग परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। परीक्षा भोपाल, इंदौर, जबलपुर एवं शहडोल में आयोजित होगी। प्राप्त आवेदनों की संख्या के आधार पर परीक्षा केंद्रों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है। योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रारंभिक तिथि 4 अगस्त 2026 तथा अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। स्क्रीनिंग परीक्षा 6 सितंबर 2026 को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगी। प्रवेश पत्र संबंधित वेबसाइटों से डाउनलोड किए जा सकेंगे। योजना की पात्रता, नियमावली एवं चयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी जनजातीय कार्य विभाग के पोर्टल अथवा संबंधित जिला एवं संभागीय कार्यालयों से प्राप्त की जा सकती है। परीक्षा संबंधी जानकारी के लिए दूरभाष क्रमांक 0755-2552106 पर संपर्क किया जा सकता है।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर स्मृति एवं संगोष्ठी कार्यक्रम

विभाजन की त्रासदी को किया याद

*** जिला माजपा कार्यालय में हुआ आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा पार्टी कार्यालय में स्मृति एवं संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश के विभाजन के दौरान विस्थापन हिंसा और अपने प्राण गंवाने वाले असंख्य लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उस दौर की त्रासदी को याद किया गया। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता मंडला सांसद फगन सिंह कुलस्ते रहे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सांसद फगन सिंह कुलस्ते ने कहा कि 14 अगस्त 1947 की पीड़ा आज भी इतिहास के पन्नों में दर्ज है। देश के विभाजन के समय



लाखों परिवारों को अपने घरएं जमीन और जड़ों से दूर होना पड़ा। असंख्य भाई-बहनों ने विस्थापन हिंसा और असहनीय कष्ट झेले। विस्थापित परिवारों के संघर्ष और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस केवल उस त्रासदी को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को इतिहास से सीख लेने और

विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि विभाजन विभीषिका के समय की घटनाओं को सुनने और पढ़ने के बाद आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि 14 अगस्त 1947 को देश के बंटवारे के दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा और नरसंहार हुआ तथा बड़ी संख्या में निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। कार्यक्रम में विभाजन की घटनाओं से संबंधित डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई जिसके माध्यम से उस दौर की परिस्थितियों और पीड़ित परिवारों की पीड़ा को सामने रखा गया। संगोष्ठी के वक्ता सिख संगत के अमरीक सिंह तथा सिंधी समाज के रोचौराम गुरवानी और गणेश जसवानी ने विभाजन के समय पंजाब प्रांत में हुई घटनाओं और अत्याचारों की विस्तृत जानकारी दी। उपस्थित जनों को बताया कि विभाजन के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की हत्या हुई और लाखों परिवारों को अपना घर-बार छोड़कर विस्थापित होना पड़ा। उस समय उनके परिवारों के बड़े-बुजुर्गों ने त्रासदी का दर्श झेलते हुए भी

द्वादश ज्योतिर्लिंग में भक्तों ने लगाया 56 भोग



हरिभूमि न्यूज | मण्डला

सावन मास के तृतीय सोमवार को महिष्मति घाट स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग में सावन मास के द्वादश महाभिषेक का आयोजन पिछले करीब 20 वर्षों से परंपरागत रूप से किया जा रहा है। इसी धार्मिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी सावन के तृतीय सोमवार को विशेष महाभिषेक का आयोजन किया गया शिवभक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। महाभिषेक के दौरान भगवान शिव को 56 प्रकार के भोग अर्पित किए गए। वहीं शिवलिंग पर 31 हजार बेलपत्र चढ़ाकर विशेष पूजन किया गया। मान्यता के अनुसार भगवान शिव को बेलपत्र अत्यंत प्रिय है। इसी श्रद्धा के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बेलपत्र अर्पित कर भगवान भोलेनाथ से सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की।

मंडला जिले में 65.4 मिमी वर्षा दर्ज, नारायणगंज में सर्वाधिक बारिश
मण्डला। जिले में 18 अगस्त को हुई वर्षा के आंकड़ों के अनुसार कुल 65.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। जिले में आज की औसत वर्षा 10.9 मिलीमीटर रही। सर्वाधिक वर्षा नारायणगंज तहसील में 29.9 मिमी दर्ज की गई, जबकि सबसे कम नैनपुर में 2.0 मिमी वर्षा हुई। तहसीलवार वर्षा में मंडला में 3.4 मिमी, नैनपुर में 2.0 मिमी, बिछिया में 6.5 मिमी, निवास में 15.0 मिमी, घुघुरी में 8.6 मिमी तथा नारायणगंज में 29.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से 18 अगस्त 2026 तक जिले में कुल 4695.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस अवधि में जिले की औसत वर्षा 788.0 मिमी रही।

अंचल कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

मण्डला। सां भाग महाकौशल भाग रेवांचल अंचल मंडला में 79वा स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास एवम गौरव से मनाया गया अंचल कार्यालय मण्डला में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया कार्यालय के ऊपर पूरी गरिमा के साथ राष्ट्रगान का गायन हुआ इस दौरान अंचल समिति से अंचल सचिव प्रदीप सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमति उमा यादव, सक्रिय सदस्य श्रीमति सुनीता सोनी एवं सांभाग प्राथमिक शिक्षा प्रशिक्षक प्रमुख धनीराम कावरे अंचल अभियान प्रमुख मनोहर नंदेहा अंचल कार्यालय प्रमुख अनुज डोंगरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष श्रीमति उमा यादव द्वारा ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण उपरांत सभी उपस्थित सदस्यों एवं पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं को जलपान कराया गया।



अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं 86 आवेदनकर्ताओं की समस्याएं

*** समय सीमा में निराकरण के लिए निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

जिला योजना भवन में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्री हुनेन्द्र घोरमारे ने आम जनता की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी-अपनी समस्याओं से संबंधित कुल 86 आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में आए सभी 86 आवेदनों पर ध्यान देते हुए अपर कलेक्टर श्री घोरमारे ने संबंधित



विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए कि प्राप्त सभी आवेदन पत्रों का निराकरण निर्धारित समय सीमा के भीतर प्राथमिकता से किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। इस जनसुनवाई में डिप्टी

सांसद फगन सिंह कुलस्ते ने किया एएसी ब्लॉक अन्य इंडस्ट्री का भव्य शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज | मण्डला | नारायणगंज

नारायणगंज क्षेत्र में औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सांसद फगन सिंह कुलस्ते द्वारा जैसी (ऑटोकलूड एयरटेल कंटेनर) ब्लॉक इंडस्ट्रीज का गरिमाय वातावरण में शुभ आरंभ किया गया इस नए उद्योग की शुरुआत स्थानी निर्माण क्षेत्र को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल निर्माण सामग्री मिल सकेगी उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद फगन सिंह कुलस्ते ने कहा कि एएसी ब्लॉक उद्योग की स्थापना से क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत मिलेगी यह उद्योग न केवल निर्माण कार्य को सुक्ष्मता से जांच कर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



भूकंप रोधी और हल्की सामग्री पारंपरिक ईंटों की तुलना में यह काफी हल्की और भूकंप रोधी क्षमता से ली होती है लागत और समय की बचत इसके उपयोग से भवन निर्माण की लागत में कमी आती है और निर्माण कर तेजी से पूरा होता है कार्यक्रम में स्थली जनपद निधि उद्योगपति और बड़ी संख्या में व्यापारी वर्ग जमीन नागरिकअवसर उपस्थित रहे सभी ने नई औद्योगिकऔद्योगिक कल का

आयोजन जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपरा संस्कृति इतिहास से

नई पीढ़ी को करना होगा जागरूक



*** महाकौशल प्रांत की कार्यशाला में वक्ताओं ने दिये अपने विचार।**

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

जनजाति गौरव अभियान महाकौशल प्रांत की जनजाति गौरव अभियान समिति मंडला के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जनजाति गौरव वर्ष अभियान की दृष्टि से एक दिवसीय जनजाति गौरव कार्यशाला का आयोजन बेलवेडर इंटरनेशनल स्कूल तिंदनी मंडला में किया गया। यहां आयोजित कार्यशाला में महाकौशल प्रांत के विभिन्न क्षेत्रों से अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं

सामाजिक प्रतिनिधियों जनजातीय समाज के लोगों युवाओं और विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले प्रतिनिधियों की सहभागिता रही। यहां पर कार्यशाला के पूर्व भगवान बिरसा मुंडा, वीरगंगा रानी दुर्गावती एवं भारत माता के तैल्य चित्र पर मार्गदर्शन करते हुए दीप प्रज्वालन किया गया। मुख्य अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष विचारों और जनजातीय समाज के लिए उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाना तथा जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपरा संस्कृति और इतिहास के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक करना रहा। कार्यशाला में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और उनके संघर्ष को केंद्र में रखते हुए

विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल जनजातीय समाज के महानायक ही नहीं बल्कि देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले ऐसे क्रांतिकारी व्यक्तित्व थे जिन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित करने का कार्य किया बिरसा मुंडा ने अपने समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वासों के खिलाफ भी जागरूकता पैदा की उन्होंने जनजातीय समाज को अपनी संस्कृति परंपरा जल-जंगल-जमीन और सामाजिक अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। उनके संघर्ष ने जनजातीय समाज में आत्मसम्मान और स्वाभिमान की भावना को मजबूत किया।

कार्यशाला में यह विचार भी प्रमुखता से रखा गया कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती केवल एक स्मरण का अवसर नहीं बल्कि उनके विचारों को वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाने और समाज में जागरूकता बढ़ाने का अवसर है। कार्यक्रम के दौरान जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति परंपराओं लोककला लोकगीत लोकनृत्य और सामाजिक जीवन पर भी चर्चा हुई वक्ताओं ने कहा कि जनजातीय समाज को सामने लाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि इतिहास के विभिन्न दौर में जनजातीय समाज ने अपने अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष किया है।

भी किया जाए। कार्यशाला में युवाओं की भूमिका को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया गया। कहा गया कि नई पीढ़ी को अपने समाज के इतिहास और महापुरुषों के योगदान की जानकारी होना आवश्यक है। युवाओं के माध्यम से जनजातीय गौरव संस्कृति और परंपराओं को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया जा सकता है। जनजाति गौरव अभियान के माध्यम से देश के स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक परिवर्तन में जनजातीय समाज के योगदान को सामने लाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि इतिहास के विभिन्न दौर में जनजातीय समाज ने अपने अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष किया है।



उन्होंने कहा कि जनसुनवाई केवल आवेदन लेने तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक प्रकरण का परिणाममूलक निराकरण सुनिश्चित होना चाहिए। प्रशासन और आमजन के बीच संवाद की इस कड़ी ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि जनसमस्याओं की सुनवाई और

उनके उचित समाधान के लिए राजस्व प्रशासन तत्पर है। जनसुनवाई के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिला, वहीं संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं संवेदनशीलता के साथ कार्यवाई करने के निर्देश दिए गए।

कार्यालय ग्राम पंचायत खुर्सीपार जनपद पंचायत मण्डला
- निविदा सूचना -
ग्राम पंचायत खुर्सीपार (सी) में सी.सी., पक्की नाली निर्माण जो कि गुरु गणेश के घर से शासकीय तालाब तक किया जाना है इस कार्य हेतु सामग्री लिटटी, सीमेंट, रेत एवं कूरम सामग्री आदि की आवश्यकता है वर्ष 2026-27 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री उपलब्धता से बंद लिफाफे में दिनांक 26.08.2026 दिन बुधवार तक कार्यालयीन समय में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।
सरपंच
ग्राम पंचायत खुर्सीपार
सचिव
ग्राम पंचायत खुर्सीपार

आयोजित की गई शालेय
पिटू प्रतियोगिता



गाडरवारा। स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सत्र 2026-27 की जिला स्तरीय शालेय पिटू प्रतियोगिता बालक एवं बालिका वर्ग का आयोजन डीईओ डॉ अजिल कुशवाहा तथा जिला क्रीड़ा एवं कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में नगर के शासकीय पीएमश्री शासकीय कल्या नवीन उ मा विद्यालय में किया गया। इस प्रतियोगिता में अंडर 19 आयु वर्ग के करेली, साईंखेड़ा एवं चौरपाठा ब्लॉक के छात्र एवं छात्राओं ने सहभागिता करते हुए दमदार खेल प्रदर्शन किया। बताया जाता है कि गाडरवारा मे आगामी समय मे होने वाली संसाम स्तरीय स्पर्धा हेतु छात्र छात्राओं का चयन उनके अच्छे प्रदर्शन के आधार पर किया गया। इस आयोजन को संपन्न कराने में संस्था के प्राचार्य सतीश नाईक, लेखा कौरव, चंद्रकांत साहू, राजेश गुप्ता , मधुसूदन पटेल, मैना पटेल, पीटीआई विक्रम शर्मा, मुकेश पटेल, अजय सोनी, आकाश कौरय, निवेश गौरव, इमाम अनवर, सीमा कुशवाहा, देशाली बिजोरिया, आदित्य द्विवेदी तथा निर्माणक मंडल एवं खेल अधिकारियों की उत्तरेखणीय भूमिका देखने मिली।

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली खम्बों उलड़ी केबिलों में आये दिन लग रही आग



हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा आये दिन क्षेत्र के किसानों से बिजली बिलों की बसूली करने के नाम पर जहां उनका समान सहित अन्य सामग्री कुर्क करते हुए उन्हें अपमानित करने से नहीं चूकते है, वहीं दूसरी ओर किसानों को अच्छी बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराने के नाम पर देखा जावे तो बिजली विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र के किसानों को प्रतिवर्ष लाखों रूपया की क्षति का सामना करने के साथ साथ अपनी जान तक गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ता है? यदि इस बात की सच्चाई पर गौर किया जावे तो ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के खेतों से लेकर मुख्य मार्गों पर झुल्ला के समान कुच्छकते हुए बिजली तारों को देखा जावे तो वह खुलेआम खतरे की घंटी बजते हुए आसानी से देखे जा सकते है.? क्योंकि बिजली विभाग द्वारा वहां पुरानी बिजली लाईनों में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किये जाने के कारण जहां जहां लाईनों में तार टूटने के साथ साथ अन्य खराबियां होने के कारण किसानों को संचलाई होने वाली बिजली में बाधित होना पड़ता है। वहीं आये दिन झूलते हुए बिजली तारों से निश्चित वाली विंगारियों के चलते क्षेत्र के किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले रख होते हुए देखी जाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्रामों के अंदर देखी जा रही है। जहां पर कुछ वर्ष पहले बिजली विभाग द्वारा वारों को निकलते हुये केबिल डाली गई है। मगर उसके रख रखाब में बरती जा रही उदासीनता का परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि बारिश का मौसम शुरू होते ही बिजली खम्बो पर लगी हुई केबिल लाईनों में आये दिन फालट बनने के कारण आग लगने से नहीं चूक रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस उस समय देखने मिली जब आचकन दो खम्बों में लगी हुई केबिल में व्यावक आग लग जाने के कारण पूरे क्षेत्र की की बिजली लाईन बंद होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा गया, वह तो अच्छा हुआ कि ग्राम के अंदर कोई बड़ी घटना घटित नहीं हुई यदि बिजली केबिल में लगी हुई आग आसपास के घरों को अपनी चपेट में ले लेती तो निश्चित ही ग्राम के अंदर बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता था।

गांवों में हेण्ड पंपों के पास लगा गंदगी का अम्बार सिहोरा /बोहानी। जहां एक ओर सरकार द्वारा गांव गांव करोड़ों रूपया खर्च करते हुए स्वाच्छता अभियान चलाते हुए खूब वाही वाली लूटी जा रही है? वहीं दूसरी ओर देखा जा रहा है कि गांवों में लगे हुए हेण्ड पंपों के पास गंदा पानी एकत्र होने के कारण लोगों को शुद्ध पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इस स्थिति को देखते हुए जहां अधिकारियों द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान पर सबाल खड़े होते हुए देखे जा रहे हैं... वहीं दूसरी ओर लोगों द्वारा प्रदूषित पानी पीने के कारण बीमार पड़ने की भी संभावना बढ़ते हुए दिखाई देनने से नहीं चूक पा रही है। इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चौरपाठा के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में देखने मिल रही है, जहां पर बताया जाता है।

बारिश के पूर्व संबंधित विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिये जाने का परिणाम, राष्ट्रीय स्तर मार्ग सहित क्षेत्र की सड़कों पर बने गड़े अब जान लेवा होने लगे साबित



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर क्षेत्र में लगातार लग रहे बड़े उद्योगों व अन्य प्रकार के बड़ रहे परिवहन का परिणाम है कि आये दिन क्षेत्र की सड़को पर देश के कौने कौन से आये हुये भारी भरकम वाहन दौड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे है। वहीं दूसरी ओर पहले उद्योगों की स्थापना को लेकर क्षेत्रवासियों ने क्षेत्र विकास व बरोजगारी समाप्त होने का जो सपना देखा गया तो वह पूर्ण होने की जगह यह स्थापित उद्योग विनाश का कारण करने के साथ साथ अभिशाप प्रतीत होने से नहीं चूक पा रहे है। इन उद्योगों के चलते बौड़ रहे भारी भरकम वाहनों में मुख्य रूप से हाईवा व ट्रालाओं की धमाचौकड़ी के चलते क्षेत्र की सड़के लगातार दुर्दशा की शिकार होने से नहीं बच पा रही है। हैरत की बात है कि इस ओर न तो क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही संबंधित विभाग से लेकर प्रशासन द्वारा जिसके चलते क्षेत्र से निकला हुआ प्रदेश स्तर का मार्ग से लेकर क्षेत्र के अनेक गांवों को पहुंचने वाले इन सड़को पर निकल रहे गड्डे जहां जान लेबा साबित होने के साथ साथ इन मार्गों पर आये दिन छोटे वाहन पलटने की घटनाएं आम बात हो चुकी है..? मुख्य रूप से देखा जावे तो प्रदेश की संस्कारधानी

जबलपुर को प्रदेश की राजधानी भोपाल से जोड़ने वाला राष्ट्रीय स्तर का गाडरवारा पिपरिया तथा गाडरवारा से साईंखेड़ा होते हुये उदयपुरा भोपाल जाने वाला मार्ग इस समय पूर्णरूप से दुर्दशा का शिकार हो चुका है। यह बात अलग है कि कुछ माह पूर्व सुधार कार्य के नाम पर औपचारिकता जरूर निभाई गई थी। मगर उस पर चल रहे बारिश के दौरान पुनः निकल रहे गड्डे आम लोगों के लिये खतरे की घंटी बजाने से नहीं चूक पा रहा है..? कुछ इसी प्रकार का हाल क्षेत्र के अन्य जगहों पर पहुंचने मार्गों का देखने मिल रहा है। वह तो अच्छा हुआ की इस साल घनघोर बारिश का अभी तक दौर शुरू नहीं हुई है। यदि घनघोर बारिश होती तो इन सड़को की क्या स्थिति बनती इसकी कल्पना आसानी से की जा सकती है..? यदि क्षेत्र की सड़को की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यही हाल इस समय गाडरवारा से साईंखेडा के बीच राज्य स्तर के मार्ग का भी देखने मिल रहा है। बताया जाता है कि इस मार्ग पर निकल रहे गड्डे जहां आये दिन अपना रूप बड़ा करते हुये देखे जा रहे है। इसी का परिणाम है कि आये दिन इस मार्ग पर वाहन पलटने की घटना तो आम बात हो चुकी है। इस सच्चाई को स्थानीय मीडिया द्वारा लगातार उजागर करने के बाद भी

न तो संबंधित विभाग द्वारा ध्यान दिया गया और न ही क्षेत्र के ज़िम्मेदारों द्वारा जिसके चलते चल रही बारिश के सीजन में इस मार्ग से वाहनों के माध्यम से निकलना खतरे से खाली नहीं पाया है..? इस समय गाडरवारा से साईंखेड़ा की ओर जाने वाले इस राज्य स्तरीय मार्ग पर अनेक जगह सड़क के बीचों बीच निकल रहे गड्डे की स्थिति इस प्रकार से बनी चुकी है कि वहां से वाहनों का निकल पाना मुश्किल हो रहा है। कुछ इसी तरह की कहानी गाडरवारा कौड़िया के बीच देखी जा रही है। मुख्य रूप से नगर के समीप बने हुये शक्कर नदी पुल गड्डो से परिपूर्ण होने के चलते वाहन चालकों को सीधे नदी के दर्शन होने से नहीं चूक रहे है। वहीं दूसरी ओर पुल के समीप यह मार्ग नीचे नीचे ही खोखला होते जाने के कारण एक बड़ी घटना की ओर खुला आमंत्रण देते हुये प्रतीत होने से नहीं चूक पा रहा है..? मगर हैरत इस बात की है कि इस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नहीं दिये जाने के चलते आमजन अपनी जान खोजिम में डालकर यात्रा करने के लिये मजबूर हो गया है। इसके आलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ साल पहले ही बनाई गई प्रधानमंत्री व मुख्य मंत्री सड़क योजना के मार्गों का हाल तो इस तरह बना हुआ दिखाई दे रहा

है कि मानों वह वर्षों पुराने हो चुके है। इन मार्गों से जहां अनेक स्कूली बसों के आलावा क्षेत्र के छात्र छात्राओं का भी मोटर साईकिल व साईकिलों से प्रतिदिन आना जाना होता है। इस स्थिति में मासूम बच्चों की जान भी खतरे से खाली दिखाई देने से नहीं चूक पा रहा है..? यह बात अलग है कि अभी तक क्षेत्र में बारिश का दौर में कुछ दिनों से रूकावट देखने मिल रही है। मगर जब आने वाले दिनों में बारिश रूढ़ रूप धारण करते हुये शुरू होगी तो इन गड्डे में पानी भर जाने के कारण वाहन चालकों को जब गड्डा दिखाई नहीं देगा और उनका वाहन इन गड्डे में घुस जाने के कारण निश्चित ही किसी बड़ी घटना घटित होने के साथ साथ वाहन चालको की जिनदगी खतरे में पड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है..? इस प्रकार से प्रदेश स्तर के मार्ग से लेकर क्षेत्र के गांवों को पहुंचने वाले इन मार्गों के बीचों बीच निकल रहे इस गड्डे की सच्चाई को लेकर स्थानीय स्तर के अखबरो से लेकर सोशल मीडिया पर लगातार उजागर किये जाने के बाद भी संबंधित विभाग से लेकर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नहीं देना निश्चित ही चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नहीं चूक पा रहा है।

अमर शहीद वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी का मनाया गया 195 वां जयंती समारोह, सर्व सहमति से राजेश को नियुक्त किया मीडिया प्रभारी



हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। लोधी समाज का देश के इतिहास में नाम रोशन करने वाली वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती समाज द्वारा हर वर्ष बड़े ही उत्साह के साथ मनाई जाती है। इसी प्रकार से लोधी सामाजिक संगठन द्वारा बीते हुये दिवस ग्राम केसला में वीरांगना रानी अवंति बाई लोधी का 195 वां जयंती समारोह बड़े ही उत्साह के बीच मनाया गया। बताया जाता है कि इस मौके पर सर्व प्रथम अतिथियों द्वारा वीरांगना अवंति बाई लोधी छाया चित्र पर दीप प्रज्जलित करते हुये पूजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सिलोकिया द्वारा करते हुये सभी का पुष्प मालाओं के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर मौजूद सामाजिक वक्ताओं में राजेश वरमा, सुरेश पटेल भावसीग वर्मा, रामसिंह वर्मा द्वारा वीरांगना रानी अवंती बाई

लोधी के इतिहास पर प्रकाश डालते हुये बताया िक रामगढ़ (जनपद मंडला- मध्य प्रदेश) की रानी वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी ने सन 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों से खुरलकर लोहा लिया था और अंत में भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने जीवन की आहुति दे दी गई थी। वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी का जन्म 16 अगस्त 1831 को मनकेहणी के जमींदार राम जुझार सिंह के यहां हुआ था। 20 मार्च 1858 को इस वीरांगना ने रानी दुर्गावती का अनुकरण करने के साथ युद्ध लड़ते हुए अपनाई क, अनुकरण करते हुए उनकी दासी ने तलवार भोंक कर अपना बलिदान दे दिया। वीरांगना अवंती बाई लोधी ने सुनहरे अक्षरों मे अपना नाम लिखा। इस मौके पर कार्यक्रम में मंच संचालन ओम प्रकाश वर्मा एवं आभार व्यक्त राजेश वर्मा समाज के युवा पत्रकार को लोधी समाज का क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी पद पर नियुक्त करने की घोषणा की गई। वही कार्यक्रम



को आगे बढ़ाते हुये वरिष्ठजनों द्वारा रानी अवंतीबाई के जीवन काल तथा उनके शौर्य पराक्रम को याद किया गया। इस मौके पर ग्राम केसला से वरिष्ठ झोदामी लाल मामुलिया, मनोहर लोधी, चंद्रभान पटेल, खरगाराम लोधी, तुलसी राम पटेल, सुखराम लोधी, कालूराम मामुलिया, ग्यारसी पटेल, गणेश लोधी तथा युवा वर्ग से यश कुमार वर्मा, कृष्णा पटेल, अनिल लोधी, सोनू वर्मा, भुवन पटेल, वीरेंद्र पटेल, राज कुमार वर्मा, दीपक मामुलिया, भगवान मामुलिया, राहुल वर्मा, नीरज पटेल, पप्पू वर्मा, यशवंत वर्मा, सुरेश वर्मा, संदीप वर्मा, देवकरन वर्मा, संतोष वर्मा, संतोष सुरैया, राजकुमार वर्मा, गिरेंद्र वर्मा, बाबूलाल लोधी, रोशन लोधी, हेमराज वर्मा, मनोहर लोधी,भवानी वर्मा सहित बाहर से आए लोधी समाज के वृद्ध और युवा वर्ग में मारेगांव शिवकुमार बड़कुर, तीरथ पटेल, बसुरिया से प्रदीप बड़कुर, मुन्ना लाला वर्मा, ओम प्रकाश वर्मा, रामकुमार अटरोईया विश्राम वर्मा, सहावन से अशोक कुमार सिलोकिया,

राजकुमार वर्मा, भगवानदास वर्मा, नरेश वर्मा, लालासाब उपरारिया, राजू सुरैया, नन्हें लाल वर्मा, गुलाब सुरैया, संतोष वर्मा, भोजराज पटेल, धनराज वर्मा, राम शंकर वर्मा, खूबचंद, संतू वर्मा, पचामा जगदीश पटेल, लेखराम पटेल, गुड्डू भैया,सालीचौका से आए लोधी समाज के अध्यक्ष अमरराज पटेल, भावसिंह मात्सव, सुरेश पटेल, लक्ष्मन वर्मा, गुड्डू वर्मा, ब्रज मोहन कुथरहया, राजा वर्मा,अमोडा से पधारे समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों के आलावा तेंदूखेड़ा राकेश लोधी, आड़ेगांव से हेमराज वर्मा, गुंची लाल लोधी, छोट्टीवावई से दिनेश पटेल, लालसिंग लोधी, गुड्डा पटेल, सोबरन पटेल, अर्जुगांव से सरपंच ओम पटेल, सहसचिव दुर्गाश पटेल, चंद्रकांत पटेल, प्रताप सिंह लोधी, जमना प्रसाद देशीपगार, चंद्रकांत लोधी ने समाज की एकता का संदेश देते हुये समाज को नशामुक्त बनाने पर जोर दिया। वही बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने तथा समाज में फैली कूरृतियों को समाप्त करने की बात कही गई।

उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में व्यावसायिक विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुआ अतिथि व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज/चीचली । स्थानीय शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में व्यावसायिक छात्र-छात्राओं के लिए आधुनिक तकनीक एवं नवाचार से संबंधित विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। बताया जाता है कि इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को इंटरनेट ऑफ थिंग्स माइक्रोकंट्रोलर एवं सेंसर तकनीक की कार्यप्रणाली और व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी गई।



कार्यक्रम में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल के शोधार्थी प्रशांत स्टील अतिथि व्याख्याता के रूप में उपस्थित रहें। इस मौके पर उन्होंने विद्यार्थियों को इंटरनेट ऑफ थिंग्स की मूल अवधारणा समझाते हुए बताया कि किस प्रकार इंटरनेट, माइक्रोकंट्रोलर और सेंसर के माध्यम से विभिन्न उपकरणों को जोड़कर स्मार्ट एवं उपयोगी

तकनीकी समाधान तैयार किए जा सकते हैं। ईईसपी 32 और सेंसरों का किया प्रायोगिक प्रदर्शन व्याख्यान के दौरान ईईसपी 32 माइक्रोकंट्रोलर सहित विभिन्न सेंसरों का प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों ने सेंसर एवं माइक्रोकंट्रोलर की कार्यप्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से समझा। उन्होंने यह भी जाना कि कम लागत वाली तकनीक का उपयोग कर वास्तविक जीवन की समस्याओं के लिए उपयोगी उपकरण एवं प्रोजेक्ट तैयार किए जा सकते हैं। वहीं कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट ऑफ थिंग्स की संभावनाओं पर चर्चा करते हुये अतिथि व्याख्यान में ग्रामीण क्षेत्रों की स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिये इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित प्रोजेक्ट विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। स्मार्ट सिंचाई, कृषि, जल प्रबंधन, पशुपालन, मौसम निगरानी, पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, ग्रामीण स्वास्थ्य एवं ग्रामीण उद्योगों में तकनीक की संभावनाओं पर विद्यार्थियों से चर्चा की गई। इस मौके पर प्रशांत स्टील ने विद्यार्थियों को स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कम लागत एवं उपयोगी तकनीकी मॉडल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के छोटे-छोटे नवाचार भविष्य में ग्रामीण जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ समस्या पहचान, नवाचार एवं समाधान विकसित करने की सोच विकसित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी रहा तथा व्यावसायिक शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। अतिथि व्याख्यान के संदर्भ में प्राचार्य भूपेश ठाकुर, वॉकेशनल प्रभारी सत्यम ताम्रकार तथा व्यावसायिक शिक्षक दिनेश वर्मा एवं सरफराज मोहम्मद ने व्यावसायिक शिक्षा के संबंध में विभिन्न बिंदुओं पर अपनी बात रखी गई।

दादा धूनी नगरी साईंखेड़ा में लगने वाली दो दिवसीय राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी की तैयारियों की समीक्षा करते हुये अधिकारियों ने दिये जरूरी दिशा निर्देश



हरिभूमि न्यूज/साईंखेड़ा। स्थानीय सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में कल 20 एवं 21 अगस्त को आयोजित होने वाली दो दिवसीय विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी 2025-26 के राज्य स्तरीय आयोजन की तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। बताया जाता है कि आयोजन में प्रदेश के विभिन्न संभागों से चयनित विद्यार्थी शामिल होकर जहां अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ ही गीत, सेमिनार, प्रश्न मंच सहित विभिन्न विधाओं में विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। नगर साईंखेड़ा में आयोजित होने वाली इस दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रत्येक संभाग से चयनित प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रोजेक्ट्स शामिल होंगे। प्रत्येक जोन से 26-26 विद्यार्थी तथा दर्शक शिक्षक और संभागीय डाइट से एक पुरुष एवं एक महिला शिक्षक सहित कुल 260 विद्यार्थी एवं 124 मार्ग दर्शक शिक्षक

सहभागिता करेंगे। आयोजन की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह द्वारा विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। मंगलवार को आयोजन की नोडल अधिकारी एवं एसडीएम गाडरवारा प्रगति वर्मा ने जनप्रतिनिधियों, समितियों के प्रभारियों एवं सदस्यों तथा स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा करते हुये उन्होंने कहा कि प्रदेश भर से चयनित विद्यार्थी एवं मार्गदर्शक शिक्षक इस आयोजन में शामिल होंगे। इमारे नगर में आने वाले सभी अतिथियों के स्वागत व व्यवस्थाये देने में कोई कसर नहीं रहना चाहिये। इसलिए आवास, भोजन, पेयजल, परिवहन सहित सभी व्यवस्थाएं ऐसी हों कि किसी भी प्रतिभागी को असुविधा न हो। बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सचिन अग्रवाल ने नगर परिषद की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने का पूरा भरोसा दिया गया। वही बैठक में शामिल भाजपा नेता व समाज सेवी

मिनेन्द्र डागा ने कहा कि हमारे क्षेत्र में पहले भी इस तरह से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के आयोजन सभी के सहयोग से सफलता पूर्वक सम्पन्न होते रहे हैं और इस आयोजन को भी सभी मिलकर सफल बनाएंगे। इस मौके पर एसडीएम प्रगति वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के ठहरने की व्यवस्था की गई है, उनका पूर्व निरीक्षण कर सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। डीपीसी प्रदीप कुमार द्विवेदी ने आवास, भोजन, पेयजल एवं आयोजन स्थल तक प्रतिभागियों के आवागमन की व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने पर जोर दिया। वही बीआरसी संदीप स्थापक ने आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक का संचालन मनीष शंकर तिवारी ने किया। बताया जाता है कि बैठक के बाद जनप्रतिनिधियों सहित एसडीएम प्रगति वर्मा और स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया गया। इस

दौरान उन्होंने बालक आवास, भोजन व्यवस्था, मॉडल कक्ष, सेमिनार एवं गीत कक्ष सहित कमला पैलेस में की गई। वही बालिका वर्ग के लिये आवास व्यवस्था का जायजा लेते हुये उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले विद्यार्थियों एवं उनके मार्ग दर्शक शिक्षकों के लिए बेहतर आवास, परिवहन एवं भोजन व्यवस्था सुनिश्चित करना आयोजन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष श्रीमति स्वाति सचिन अग्रवाल, मिनेन्द्र डागा, दिवजय सिंह राजपूत, कीरत सिंह पटेल, जय प्रकाश मुख्, थाना प्रभारी संध्या चंदेल, बीएमओ आदित्य रघुवंशी सहित विभिन्न समितियों के सदस्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप



रानी अवंती बाई स्मारक स्थल रामगढ़ में हुआ फलदार पौधा का वृक्षारोपण
अमरपुर। डिंडोरी जिले का एकमात्र ऐतिहासिक ग्राम जोकि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की नेत्री रही वीरांगना रानी अवंती बाई की कर्मभूमि रामगढ़ में स्थित स्मारक स्थल पर हरियाली से भरपूर सावन माह में शासन की योजना एक पेड़ मां के नाम के तहत रानी अवंती बाई के 16 अगस्त को जन्म जयंती के उपलक्ष में मंगलवार को आम, जामुन सहित सपनेच वंदना ठाकुर, अखिल भारतीय लोधी, लोधा, लोध महासभा डिंडोरी जिला अध्यक्ष महेंद्र ठाकुर, ग्राम रोजगार सहायक सुनील ठाकुर, पत्रकार बलराम राजपूत, खुमान सिंह ठाकुर, पराग धुवें, राकेश बर्मन आदि ग्रामीणजनों ने पौधा रोपते हुए उन्हें संरक्षित करने का संकल्प लिया गया।

पगडंडी से डेढ़ किलोमीटर पैदल चलकर प्रसूता को पहुंचाया एंबुलेंस तक, स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित प्रसव
डिंडोरी। महंदवानी विकासखंड के ग्राम कनेरी के मुरमी टोला में प्रसव पीड़ा से जूझ रही एक प्रसूता को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दुर्गम रास्ते के बावजूद समय पर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाने के कारण आशा कार्यकर्ता, एएनएम और परिजनों ने प्रसूता को करीब डेढ़ किलोमीटर पैदल चलकर एंबुलेंस तक पहुंचाया। इसके बाद उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कनेरी में भर्ती कराया गया, जहां सुरक्षित प्रसव कराया गया। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ बताए गए हैं।जानकारी के अनुसार, 17 अगस्त को मुरमी टोला निवासी प्रसूता गीता बाई पति नरेश कुमार की प्रसव पीड़ा शुरू हुई। आशा कार्यकर्ता मोहबाई ने मोबाइल से इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को दी। प्रसूता के घर तक पहुंचने के लिए केवल पगडंडी मार्ग होने और बारिश के कारण रास्ता बेहद दुर्गम होने से एंबुलेंस को गांव तक पहुंचने में परेशानी थी।

सम्मान देने पहुंचा प्रशासन, मीसाबंदी ने लौटा दिया सम्मान



नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्मान लेने से इनकार किया। इसके बाद प्रशासनिक अमला सम्मान लेकर वापस लौट गया। मीसाबंदी जय नारायण साहू का सम्मान लौटाना स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के बीच चर्चा का विषय बन गया। हालांकि सम्मान वापस करने के पीछे उनकी नाराजगी के विस्तृत कारणों की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले मीसाबंदियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाता है। ऐसे में सम्मानित किए जाने वाले व्यक्ति द्वारा स्वयं सम्मान लौटा देना प्रशासन के लिए भी असहज स्थिति मानी जा रही है। अब सवाल यह है कि आखिर ऐसी कौन सी वजह रही कि मीसाबंदी जय नारायण साहू को प्रशासन का सम्मान स्वीकार करने के बजाय उसे वापस करना पड़ा। मामले को लेकर प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

बारिश में क्षतिग्रस्त सड़क पर ठेकेदार और संबंधित अधिकारी को नोटिस



डिंडौरी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत महंदवानी विकासखंड में एसएच-11 चाबी-महंदवानी मार्ग से कुसेरा (खिसी, जिला मंडला सीमा) तक निर्मित 12.1 किलोमीटर सड़क के तेज बारिश में क्षतिग्रस्त होने के मामले को कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने गंभीरता से लिया है। मामले में संबंधित ठेकेदार और निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिवस में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से उक्त सड़क का निर्माण संधाना की शिव शक्ति कंस्ट्रक्शन द्वारा कराया गया था। निर्माण कार्य 29 अप्रैल 2023 को पूर्ण होना बताया गया है। हाल ही में हुई तेज बारिश के दौरान जलस्तर बढ़ने से पुलिया के समीप सड़क का बड़ा हिस्सा कटकर बह गया, जिससे मार्ग पर गहरा कटाव हो गया और आवागमन प्रभावित हुआ। सड़क वर्तमान में पांच वर्षीय गारंटी प्रसारण अवधि में है। ऐसे में सड़क के क्षतिग्रस्त होने के बाद निर्माण गुणवत्ता, जल निकासी व्यवस्था और तकनीकी मानकों के पालन

को लेकर विभागीय स्तर पर जांच की जा रही है। कारण बताओ नोटिस में निर्माण कार्य के दौरान निर्धारित तकनीकी मानकों का समुचित पालन नहीं किए जाने और अनुबंध की शर्तों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं किए जाने का उल्लेख किया गया है। सड़क और पुलिया निर्माण में गुणवत्तापूर्ण सामग्री के उपयोग तथा जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। कथित लापरवाही और अनियमितताओं के कारण शासन को आर्थिक क्षति होने की स्थिति का भी उल्लेख नोटिस में किया गया है। हालांकि

मामले में अंतिम निष्कर्ष संबंधित पक्षों के जवाब और विभागीय जांच के बाद ही सामने आएगा।निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारी को जारी नोटिस में कार्य की नियमित निगरानी और पर्यवेक्षण में लापरवाही का आरोप लगाया गया है। नोटिस के अनुसार अधिकारी द्वारा निर्माण कार्य का सतत निरीक्षण नहीं किया गया तथा अधीनस्थ अमले को आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण उपलब्ध नहीं कराया गया। इसे पदीय दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता और गंभीर लापरवाही मानते हुए मध्यप्रदेश सिविल सेवा

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं, अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश



तहत अधूरी पड़ी पाइपलाइन की समस्या रखी। मामले में सीईओ जनपद पंचायत करंजिया को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के

निर्देश दिए गए।नगर परिषद डिंडोरी में सफाईकर्म के पद से सेवानिवृत्त कौशल्या चौहान ने पेंशन नहीं मिलने की समस्या

बताई। कलेक्टर ने सीएमओ नगर परिषद डिंडोरी को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए। इसी तरह समनापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत खाम्हा के हरिराम पिता सुखदेव ने अपनी स्वर्गीय पत्नी सरस्वती बाई की संबल 2.0 योजना के तहत अनुग्रह सहायता राशि स्वीकृत कराने की मांग की। कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत समनापुर को संबंधित दस्तावेजों की जांच कर शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना है। सभी अधिकारी प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करें, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।जनसुनवाई के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। इसमें जनसुनवाई में पहुंचे आवेदकों का रक्तचाप, मधुमेह सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच के साथ लोगों को आवश्यक परामर्श और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी प्रदान की।

गैर-तकनीकी कर्मचारियों के भरोसे नगर परिषद? भर्ती नियमों और कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

अधिवक्ता सम्यक जैन ने नियुक्तियों से लेकर बिल भुगतान और जमीनी काम तक उच्चस्तरीय जांच की मांग की



डिंडौरी। नगर परिषद डिंडोरी की कार्यप्रणाली और नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं को लेकर अधिवक्ता सम्यक जैन ने सवाल उठाते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि नगर की महत्वपूर्ण सेवाओं का संचालन निर्धारित तकनीकी योग्यता, प्रशिक्षण और स्पष्ट जिम्मेदारी के अनुरूप हो रहा है या नहीं, इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने इसे किसी कर्मचारी विशेष का मामला न बताते हुए नगर व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा विषय बताया है।उन्होंने कहा कि नगर परिषद की जिम्मेदारी केवल कार्यालयीन कार्यवाही और बिलों के भुगतान तक सीमित नहीं है। पेयजल एवं जलशोधन, स्वच्छता और कचरा प्रबंधन, नाली व जल निकासी, सड़क एवं सार्वजनिक मार्गों का रखरखाव, स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक शौचालय, अग्निशमन तथा अन्य जनसुविधाएं सीधे नागरिकों के जीवन से जुड़ी हैं। ऐसे कार्यों में तकनीकी दक्षता और प्रभावी निगरानी जरूरी है। मामले में सवाल उठाया गया है कि नगर परिषद में नियमित अथवा आउटसोर्सिंग के माध्यम से कर्मचारियों की नियुक्ति के दौरान संबंधित पदों के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता, तकनीकी दक्षता और अनुभव की शर्तों का पालन किया गया या नहीं। यदि तकनीकी प्रकृति के कार्य ऐसे कर्मचारियों को सौंपे गए हैं, जिनके पास आवश्यक योग्यता या प्रशिक्षण नहीं है, तो इसकी प्रशासनिक समीक्षा की जानी चाहिए।जांच के लिए कर्मचारियों के आवेदन पत्र, शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता प्रमाण-पत्र, अनुभव प्रमाण-पत्र, चयन प्रक्रिया, चयन समिति को कार्यवाही, नियुक्ति आदेश और तैनाती से संबंधित अभिलेखों का परीक्षण कराने की मांग की गई है। इससे नियुक्तियों की प्रक्रिया

और कर्मचारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

भुगतान के बावजूद जमीनी काम पर सवाल

नगर परिषद के खर्च और उसके वास्तविक परिणाम को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। तर्क दिया गया है कि सार्वजनिक धन से किसी सेवा या कार्य पर राशि खर्च होने के बाद उसका असर जमीन पर दिखाई देना चाहिए। यदि स्वच्छता पर खर्च के बावजूद पंदंगी की शिकायतें बनी रहती हैं, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था पर खर्च के बाद भी लाइटें बंद रहती हैं या नाली एवं जल निकासी की समस्याएं बनी रहती हैं, तो केवल बिल तैयार कर भुगतान कर देना पर्याप्त नहीं माना जा सकता।इस संबंध में दस्तावेजों में दर्ज कार्य और मौके की वास्तविक स्थिति का भौतिक सत्यापन कराने की मांग की गई है। साथ ही कार्य की गुणवत्ता और खर्च की गई राशि के अनुरूप नागरिकों को मिल रहे लाभ का भी परीक्षण करने की बात कही गई है।

मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों से जांच की मांग

अधिवक्ता की ओर से मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त को प्रतिनिधित्व भेजकर मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग किए जाने की जानकारी दी गई है। इसमें कर्मचारियों की योग्यता एवं नियुक्ति प्रक्रिया, मूल अभिलेख, कार्यादेश, बिल एवं भुगतान, कार्यों का भौतिक सत्यापन, तकनीकी गुणवत्ता तथा संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों की जवाबदेही की जांच शामिल है।उन्होंने कहा कि जांच का उद्देश्य किसी व्यक्ति को निशाना बनाना नहीं, बल्कि नगर परिषद की व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यदि सभी प्रक्रियाएं नियमों के अनुरूप पाई जाती हैं तो इससे उठ रहे सवालों का समाधान होगा और यदि कोई अनियमितता सामने आती है तो समय रहते सुधारात्मक कार्रवाई की जा सकेगी।

कम मजदूरी मिलने की शिकायत लेकर जनपद पंचायत पहुंचे मजदूर



आरोप है कि संबंधित उपयंत्री कार्यस्थल पर नियमित रूप से नहीं पहुंचते। मौजूद मेंटै ने भी अधिकारियों के सामने कहा कि वे संबंधित उपयंत्री को पहचानते तक नहीं हैं। मजदूरों का कहना है कि उनकी ग्राम पंचायत में लगातार कम मूल्यांकन किया जा रहा है, जबकि अन्य ग्राम

पंचायतों में मजदूरों को 280 से 290 रुपये तक का भुगतान मिलने की जानकारी उन्हें मिली है। मजदूरों ने उपयंत्री और सरपंच के बीच तालमेल नहीं होने के कारण कम मूल्यांकन किए जाने का आरोप भी लगाया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। शिकायत के बाद जनपद पंचायत के मुख्य कार्यापालन अधिकारी लौकेश नारनैरे ने मजदूरों को आश्वासन दिया कि सहायक यंत्री को भेजकर मौके पर कार्य का परीक्षण कराया जाएगा और सफाई कार्य का नियमानुसार मूल्यांकन कराया जाएगा। इसके बाद मजदूर वापस लौटने के लिए तैयार हुए।मामले को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटि अमरपुर के अध्यक्ष महेंद्र ठाकुर ने आरोप लगाया कि मजदूरों को उनकी मेहनत के अनुरूप भुगतान नहीं मिलना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि मजदूरों के हित में मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

तीन आवेदन के बाद भी खेत से नहीं निकला पानी, किसान परेशान

शहपुरा। जबलपुर-डिंडोरी नेशनल हाइवे के शहपुरा बाईपास पर सड़क निर्माण के दौरान जल निकासी की व्यवस्था प्रभावित होने का मामला सामने आया है। बाईपास के समीप स्थित कृषि भूमि में बारिश का पानी जमा होने से किसान राधाचरण यादव परेशान हैं। समस्या के निराकरण के लिए किसान ने 14 जुलाई, 22 जुलाई और 28 जुलाई को अलग-अलग आवेदन देकर अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है।किसान के अनुसार शहपुरा से अमरकंटक की ओर बग रहे नेशनल हाईवे के बाईपास और जबलपुर-निवास मार्ग के बीच उसकी कृषि भूमि स्थित है। इसी भूमि पर खेती कर वह अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। किसान का आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान खेत के समीप बनी पुलिया को ऊंचा कर दिए जाने से बारिश के पानी की निकासी प्रभावित हो गई। इसके कारण पानी खेत में जमा हो रहा है और कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है।



किसान ने सबसे पहले 14 जुलाई 2026 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), शहपुरा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर समस्या की जानकारी दी थी। उसने मौके का निरीक्षण कराकर खेत से पानी की स्थायी निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की थी।समस्या का समाधान नहीं होने पर 22 जुलाई को दोबारा एसडीएम शहपुरा के नाम आवेदन दिया गया। इसमें किसान ने बताया कि पूर्व में शिकायत के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। खेत में पानी भरा होने के कारण कृषि कार्य करना मुश्किल हो रहा है। किसान ने समस्या का शीघ्र निराकरण नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी थी। इसके बाद 28 जुलाई 2026 को किसान ने कलेक्टर डिंडोरी के नाम आवेदन प्रस्तुत कर मामले की शिकायत की। आवेदन में जबलपुर-डिंडोरी मार्ग पर स्थित पुलिया से पानी की समुचित निकासी कराने की मांग की गई। किसान का कहना है कि लगातार पानी जमा रहने से उसका फसल प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।लगातार तीन आवेदन देने के बावजूद समस्या का निराकरण नहीं होने से किसान की परेशानी बढ़ती जा रही है। किसान का कहना है कि वह अपनी समस्या लेकर लगातार अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगा रहा है, लेकिन खेत में पानी भरने की समस्या अब भी बनी हुई है। उसके मुताबिक यह मामला केवल जलभराव तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे उसकी आजीविका भी प्रभावित हो रही है। निेशनल हाईवे के बाईपास से जुड़े इस मामले में सड़क निर्माण के साथ जल निकासी की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। किसान के आरोपों की तकनीकी जांच कर यह स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि पुलिया की ऊंचाई बढ़ने, सड़क निर्माण या अन्य निर्माण कार्य के कारण पानी का प्राकृतिक बहाव प्रभावित हुआ है या नहीं।किसान ने प्रशासन से मौके का निरीक्षण कराकर समस्या का स्थायी समाधान करवाने और खेत से पानी की उचित निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि वह अपनी कृषि भूमि पर सामान्य रूप से खेती कर सके।



